साइबर क्राइम की बारीकी समझाई एडीजी नारकोटिक्स और आईजी रेडियो इंदौर ने

जरा-सी चूक 'कल्पना की दुनिया' में मुसीबत लाती है

एडीजी को स्मृति चिह्न भेंट करते चौरसिया।

नीमच। इंटरनेट में कोई भी सर्चिंग करने के लिए वर्च्यूअल वर्ल्ड (कल्पना की दुनिया) में जाना पड़ता है। इसमें हमें पता नहीं होता कि सामने कौन और क्या है। अनजाने में कल्पना की दुनिया में छोटी-सी चूक मुसीबत लाती है। इसलिए इंटरनेट, सोश्यल मीडिया का उपयोग करने में सावधानी बरतें।

यह बात साइबर क्राइम की बारीकी समझाते हुए एडीजी नारकोटिक्स व आईजी रेडियो इंदौर वरुण कपूर ने कही। वे महू-नसीराबाद रोड स्थित बालकवि बैरागी महाविद्यालय में 'साइबर क्राइम' विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों व विद्यार्थियों को साइबर क्राइम व इससे जुड़े मुद्दों और विषयों पर जानकारी दी। साथ ही उन्हें सोश्यल मीडिया अथवा कल्पना की दुनिया में किसी भी तरह का काम करने से पूर्व एहतियात बरतने की सीख भी दी। उन्होंने साइबर क्राइम के तरीके बताए और इनसे दूर रहने के गुर भी सिखाए। साइबर क्राइम पर नियंत्रण के मामले में पुलिस हाईटेक हो चुकी है। कोई भी अपराधी बच नहीं सकता। साइबर क्राइम के गंभीर और रोचक विषय पर विद्यार्थी स्तब्ध होकर बातें सुनते रहें।

साइबर क्राइम में 40 फीसदी विद्यार्थी

एडीजी ने नेशनल क्राइम रिपोर्ट ब्यूरो के आंकड़े बताए, जिसमें साइबर क्राइम में 40 फीसदी विद्यार्थियों की संख्या सामने आती है। इनमें 35 फीसदी स्कूली और 5 फीसदी कॉलेज के विद्यार्थी शामिल हैं। एडीजी ने कहा कि जागरूकता से विद्यार्थी साइबर क्राइम से बच सकते हैं।

ये थे मंचासीन

एसपी मनोज कुमार सिंह, एसपी रेडियो इंदौर सुधीर गोयनका, ज्ञानोदय शिक्षण समिति के चेयरमैन अनिल चौरसिया, राकेश सोन, विष्णु परिहार व अन्य। -निप्र

नारकोटिक्स विंग मजबूत होगी, संसाधन भी बढ़ेंगे

नारकोटिक्स विंग की स्थापना मप्र पुलिस ने काफी बाद में की। संसाधनों की कमी है, लेकिन सरकार इसे जल्द पूरा करने वाली है। यह बात मीडिया से चर्चा में एडीजी कपूर ने कही। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 7.66 करोड़ रुपए स्वीकृत किए है। इससे इंदौर मुख्यालय पर नारकोटिक्स इकाई व नीमच-मंदसौर में कार्यालयों का निर्माण किया जाएगा। अमले में विस्तार के साथ संसाधन भी बढ़ाए जाएंगे।

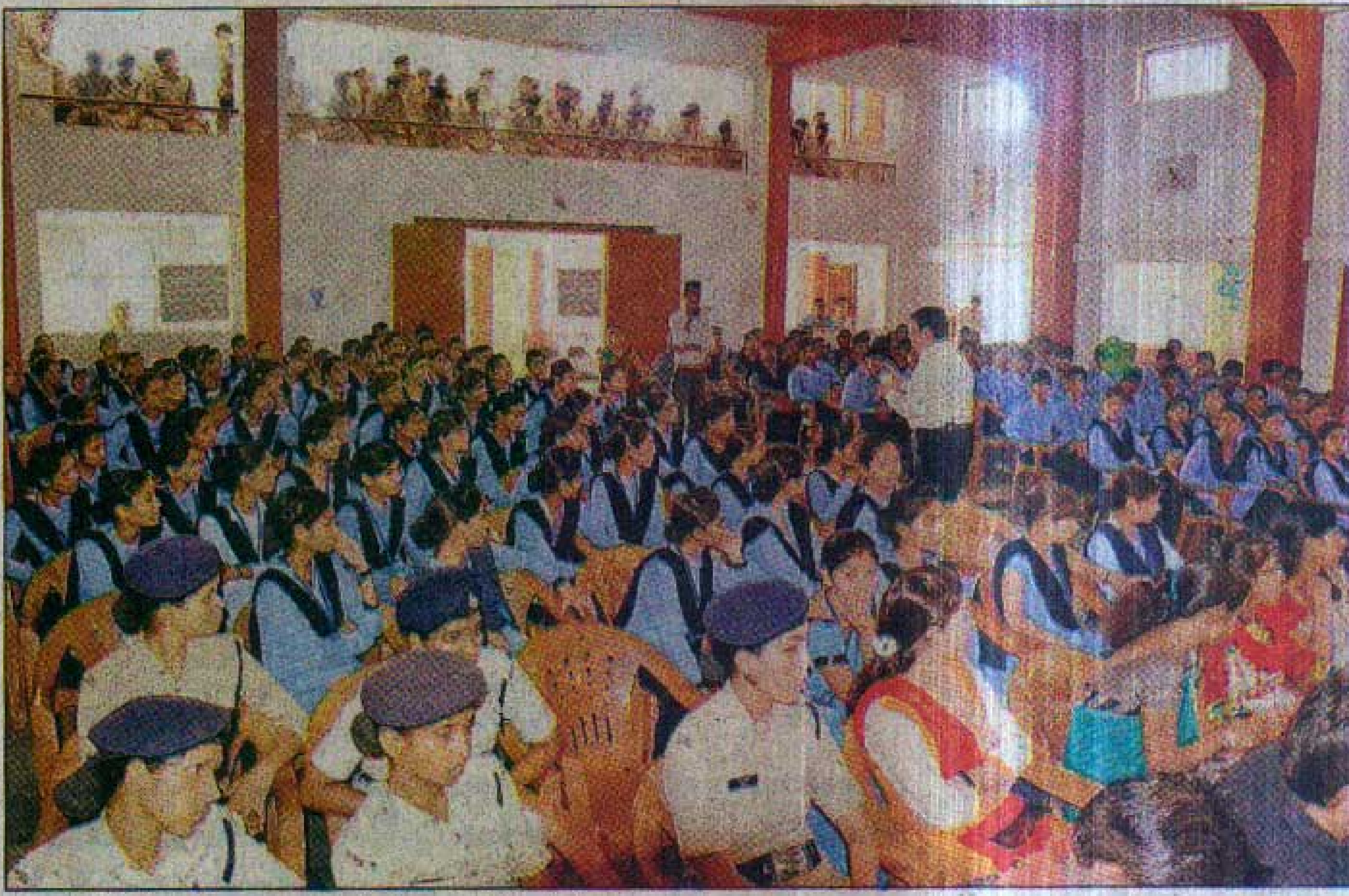

विद्यार्थियों और पुलिस अधिकारियों से रूबरू होते एडीजी कपूर।

यह सीख

- सोश्यल मीडिया वाट्सएप, फेसबुक और अन्य पर अनजान लोगों से दोस्ती ना करें।
- पासवर्ड और पोस्ट अनावश्यक रूप से शेयर ना करें।
- नौकरी, लॉटरी और अन्य तरह के प्रलोभन में ना आएं।
- दोस्त के दोस्त व अन्य परिचितों से भी सोश्यल मीडिया पर परिचय ना बढ़ाएं।

कुछ भी करने से पहले यह सोचें

- लालच ना करें।
- सोच-समझकर पोस्ट करें।
- सोशल मीडिया के फ्रेंड सर्कल में विस्तार में जल्दबाजी ना करें।
- लाइक और पोस्ट करने से पहले भी सोचें।

...और उदाहरण भी दिए

- खंडवा में फर्जी फेसबुक आईडी से भड़काऊ पोस्ट डाली गई। दंगे हुए, दो लोग मारे गए। कई घायल भी हुए। पुलिस ने चुनौती के रूप में लेते हुए पोस्ट डालने के आरोपी खंडवा के एक युवक को गिरफ्तार किया।
- इंदौर में एक परिवार के पास फोन आया कि आपकी 6 करोड़ की लॉटरी खुली है। 4 लोगों ने बात की। 1 ने खुद को रिजर्व बैंक गर्वनर बताया। पीड़ित परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। समूचा मामला धोखाधड़ी की कोशिश का निकला।

यह भी बोले

- साइबर क्राइम व मादक पदार्थ तस्करी में कमी लाने का तरीका जागरूकता है।
- कार्रवाई से तस्करी रुकती है, लेकिन जागरूकता से लोगों के जीवन बचते हैं।
- ऑपरेशन उजागर में 99 अंधे कत्ल का खुलासा कर चुका हूं। 100वें का खुलासा मन की इच्छा है।

मंदसौर विवि में साइबर अपराधों पर कार्यशाला

मंदसौर। मंदसौर विश्वविद्यालय में साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता पर कार्यशाला हुई। एडीजी नारकोटिक्स (इंदौर) वरुण कपूर व एसपी पुलिस रेडियो इंदौर सुदीप गोयनका ने विद्यार्थियों को इंटरनेट [illegible] साइबर क्राइम के खतरों एवं उनसे बचने के उपायों से अवगत कराया। किसी भी व्यक्ति की पहचान चुराकर उसके बैंक खातों में गड़बड़ी करना, सरकारी गोपनीय सूचनाओं को चुराना, सोशल मीडिया साइट्स जैसे जीमेल, फेसबुक आदि को हैक करना, गलत जानकारी पोस्ट करना आदि साइबर क्राइम के अंतर्गत आते हैं।

वरुण कपूर ने साइबर सिक्यूरिटी तथा साइबर क्राइम के सामाजिक एवं तकनीक पहलुओं का विस्तृत विवरण दिया। सुदीप गोयनका ने महत्वपूर्ण जानकारिया दी। कपूर ने पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर में पदस्थ रहते हुए स्वप्रेरणा से समाज एवं नागरिकों को साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रदान करने जैसे बड़े कार्यों को प्रारंभ किया। इस दौरान समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। दो विद्यार्थियों आर्ची व्यास तथा दीपिका जैन को पुलिस रेडि[illegible] ट्रेनिंग स्कूल द्वारा सर्टिफिकेट दिए गा[illegible] एग्जीक्यूटिव चेयरमैन राहुल नाहटा [illegible] स्वागत भाषण दिया। नरेंद्र नाहटा [illegible] अतिथियों को प्रशंसा पत्र प्रदान कि[illegible] यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर [illegible] शालिनी गुप्ता ने आभार माना। -नि[illegible]